Indian Association of Pediatric Surgeons

Patient Information Sheet

CHILDHOOD CANCER

बचपन के कैंसर

Concept, Text & Photographs Courtesy :

Dr. Monica Bhagat,

Asstt. Consultant, Pediatric Oncosurgery, NH-SRCC Children's Hospital, Mumbai.

Hindi Translation by:

Dr. Abhishek Tiwari, Asst. Prof., Pediatric Surgery, Netaji Subhash Chandra Bose Govt. Medical College, Jabalpur

Dr. Vikesh Agrawal, Professor, Pediatric Surgery, Netaji Subhash Chandra Bose Govt. Medical College, Jabalpur

Designed and formatted by :

Dr. Veereshwar Bhatnagar,

Former Professor & Head, Pediatric Surgery, AIIMS, New Delhi, Currently Professor of Pediatric Surgery & Dean Research, School of Medical Sciences & Research, Sharda University, Greater Noida, UP.

Published by :

Dr. Amar Shah, Consultant Pediatric Surgeon, Amardeep Multispeciality Children Hospital, Ahmedabad &

Professor Ravi Kanojia , PGIMER, Chandigarh

for & on behalf of the Indian Association of Pediatric Surgeons

बचपन के कैंसर क्या हैं?

कैंसर को शरीर में कोशिकाओं की असामान्य वृद्धि के रूप में परिभाषित किया जाता है और सामान्य संरचनाओं (आस पास के अंगों) पर हमला करता है और शरीर के अन्य भागों में भी फैल सकता है। रक्त और लिम्फ नोड्स (क्रमशः ल्यूकेमिया और लिम्फोमा, जिसे हम ब्लड कैंसर के नाम से भी जानते हैं) से जुड़े कैंसर के अलावा, ठोस ट्यूमर आमतौर पर बच्चों में भी देखा जाता है। वे शरीर में कहीं भी उत्पन्न हो सकते हैं, जैसे मस्तिष्क, गुर्दा, लिवर और आंखों में । बच्चों में कैंसर वयस्क कैंसर से अलग है और उपचार भी भिन्न होता है।

इस समस्या का क्या कारण है और यह कितना कॉमन है?

भारत में लगभग 70,000-80,000 बच्चों के कैंसर के मामले प्रतिवर्ष देखे जाते हैं। बच्चों में कैंसर सामान्यतः अज्ञात कारणों से होता है, किन्तु लगभग 5% बच्चों में कैंसर का कारण आनुवांशिक (परिवार में कैंसर का इतिहास), या कुछ विशिष्ट जीनों में असामान्यता हो सकती है।

लक्षण क्या हैं ?

कैंसर के लक्षण, शामिल होने वाले अंग / प्रणाली के अनुसार भिन्न होते हैं, सामान्य लक्षणों के बारे में पता होना महत्वपूर्ण है और ये लक्षण माता-पिता को तुरंत डॉक्टर से परामर्श करने के संकेत देते हैं। एक उदाहरण के रूप में गुर्दे के ट्यूमर में, मूत्र में रक्त दिख सकता है या जिगर के ट्यूमर में पीलिया देखा जा सकता है और मस्तिष्क के ट्यूमर न्यूरोलॉजिकल (मस्तिष्क एवं तंत्रिकाओं से सम्बंधित) लक्षण पैदा कर सकते हैं।

अपने चिकित्सक को कब दिखाना है?

निम्नलिखित लक्षण दिखने पर:

1. शरीर में कहीं भी गांठ होने पर जैसे - पेट, सिर और गर्दन, लिंग, हाथ या पैर।
2. बिना किसी कारण के बुखार, वजन घटना और / या भूख की कमी।
3. पैलर (आँखों की कन्जन्क्टिवा में सफेदी), आसान चोट से ही रक्तस्राव होना, शरीर में दर्द और आसान सी चोट से फ्रैक्चर (हड्डी टूटना) होना।
4. आंख में सफेद धब्बा या हाल ही में देखा गया भेंगापन, दृष्टि में कमी या आंख का सामान्य से बड़ा दिखना या तेज गति से मूवमेंट करना।

5. असामान्य व्यवहार या हरकत।
इसका निदान (डायग्नोसिस) कैसे किया जाता है?- चिकित्सक द्वारा शारीरिक परीक्षण के द्वारा (चिकित्सक आगे की जांच और प्रबंधन के लिए बच्चे को उच्च केंद्र में भेज सकता है)- रक्त और / या मूत्र परीक्षण।- रेडियोलॉजिकल जांच: अल्ट्रासाउंड स्कैन (सोनोग्राफी), सीटी स्कैन, एमआरआई स्कैन और अन्य आवश्यक जांच जैसे पीईटी-सीटी, एमआईबीजी या डॉटा स्कैन (कैंसर के प्रकार के आधार पर)- बायोप्सी: कैंसर से छोटे से भाग को इसके प्रकार को जानने के लिए परीक्षणों के लिए निकाला जाता है और इससे उपचार शुरू करने में मदद मिलती है। कुछ छोटी कैंसर की गांठो को, सीधे पूरी तरह से ऑपरेशन द्वारा निकाला जा सकता है और परीक्षण के लिए भेजा जा सकता है।

क्या उपचार उपलब्ध हैं?

ट्यूमर का आकार, माप और स्टेजिंग उपचार की योजना के बारे में निर्णय लेने में मदद करता है। यह कैंसर के लिए उपचार के बोझ को कम करने में मदद करता है जो कम घातक हैं। इसे जोखिम स्तरीकरण कहा जाता है।

1. सर्जरी: यह कैंसर निदान / सहायक प्रक्रियाओं और स्थानीय उपचार में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह ठोस ट्यूमर के स्थानीय उपचार में प्रबंधन का एक महत्वपूर्ण घटक है। सर्जरी की योजना साइट और अंग पर निर्भर करती है।
2. कीमोथेरेपी: ये दवाइयाँ कैंसर की असामान्य कोशिकाओं को बढ़ने से रोकने में, उन्हें नष्ट करने और कैंसर कोशिकाओं को नियंत्रित करने में मदद करती हैं, जो शरीर के अन्य हिस्सों में चली गई हैं। यदि ट्यूमर कीमो-सेंसिटिव है, तो यह ट्यूमर को सिकोड़ने (आकार को कम करने) और ट्यूमर का ऑपरेशन संभव बनाने में मदद करता है। ये दवाएं काफी असरकारक हैं और विभिन्न संयोजनों में उपयोग की जाती हैं। आम दुष्प्रभाव मतली, उल्टी, भूख में कमी, बालों के झड़ना और अस्थि मज्जा पर दुष्प्रभाव हैं। कुछ दवाएं दिल या गुर्दे पर विशिष्ट दुष्प्रभाव डालती हैं।
3. विकिरण: यहां उच्च ऊर्जा बीम का उपयोग कैंसर कोशिकाओं को मारने के लिए किया जाता है और एक मशीन के माध्यम से वितरित किया जाता है। बच्चे को टेबल पर उचित अवस्था में लिटाया जाता है और क्षेत्र को कवर करने के लिए योजना बनाई जाने के बाद विकिरण खुराक को लगभग 10-30 मिनट के प्रत्येक सत्र के साथ 5-7 दिनों में दिया जाता है। बच्चे को मतली, दस्त और त्वचा पर चकत्ते हो सकते हैं।

4. बोन मैरो ट्रांसप्लांट: इस पद्धति में (स्टेम सेल ट्रांसप्लांट) में रोगग्रस्त या क्षतिग्रस्त अस्थि मज्जा कोशिकाओं को स्वस्थ और नए परिपक्व रक्त कोशिकाओं के साथ बदल दिया जाता है।
5. नए उपचार: ट्यूमर प्रकार के आधार पर डॉक्टर के साथ चर्चा की जाती है।

ऑपरेशन में क्या शामिल है?

ऑपरेशन कैंसर के मौजूद स्थल और इसमें शामिल अंग पर निर्भर करता है।

सर्जिकल प्रक्रिया में निम्नलिखित क्रियाएँ हो सकती है:

i)बायोप्सी, ii) ट्यूमर को ऑपरेशन द्वारा निकालना, iii) कीमोथेरेपी देने हेतु कीमोपोर्ट डालना या हिकमैन कैथेटर डालना iv) ट्यूमर के कारण हो रहे अवरोध को बायपास करना, जटिलताओं (कॉम्प्लीकेशन) के लिए शल्य चिकित्सा करना।

ऑपरेशन के बाद संभावित जटिलताओं (कॉम्प्लीकेशन) / क्या होता है?

कैंसर का उपचार जटिल है और विभिन्न तौर-तरीकों के संयोजन की आवश्यकता होती है, अतः जटिलताएं (कॉम्प्लीकेशन) रोगी को दिए जा रहे उपचार पर निर्भर करती हैं। अधिकांश कैंसर के विशिष्ट उपचार के लिए प्रोटोकॉल निर्धारित हैं और उपचार के दौरान जटिलताओं और अन्य प्रतिकूल घटनाओं के लिए प्रबंधन दिशानिर्देश भी उपलब्ध हैं।

इन बच्चों का दृष्टिकोण या भविष्य क्या है?

बचपन के कैंसर का परिणाम ट्यूमर के चरण या प्रसार, कीमोथेरेपी की प्रतिक्रिया और कैंसर को पूर्णतः निकालने की सफलता पर निर्भर करता है। उच्च ग्रेड / स्टेज ट्यूमर में जीवन की संभावना 70% से अधिक हो गई है, और निचले चरण के लिए जीवन की संभावना 90% या अधिक तक पहुंच गया है। कुछ ट्यूमर, जैसे अस्थि ट्यूमर, का उपचार स्थायी विकृति छोड़ सकता है, जिसे विशिष्ट प्रबंधन की आवश्यकता होती है।